संस्कृत

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

--

षष्ठी कक्षा

रामानुजः
प्रथमा कक्षा

साकल्यं शोध संस्थानम्

१३ जुलाई २०२०

©साकल्यं शोध संस्थानम कृते

अनुक्रमणिका

1. भाषा
2. वर्णाः
3. पदम्
4. उच्चारण
5. वर्गीकरण

उद्देश्य

- वैकल्पिक विषय की तरह नहीं बल्कि एक भाषा की तरह अध्ययन

उद्देश्य

- वैकल्पिक विषय की तरह नहीं बल्कि एक भाषा की तरह अध्ययन
- मात्र परीक्षा के लिए नहीं पढ़ना बल्कि संस्कृत सीखना है

भाषा

- भाषा क्या है ?

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है
- मातृभाषा क्यों ? पितृभाषा क्यों नहीं ?

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है
- मातृभाषा क्यों ? पितृभाषा क्यों नहीं ?
- जैसे बिना संकोच के आप माँ से व्यवहार करते हैं वैसे ही आप बिना किसी सोच - विचार के अपने आपको जिस भाषा में व्यक्त कर पाएं वो मातृभाषा होनी चाहिए

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है
- मातृभाषा क्यों ? पितृभाषा क्यों नहीं ?
- जैसे बिना संकोच के आप माँ से व्यवहार करते हैं वैसे ही आप बिना किसी सोच - विचार के अपने आपको जिस भाषा में व्यक्त कर पाएं वो मातृभाषा होनी चाहिए
- क्या आप ऐसा कर पाते हैं ?

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है
- मातृभाषा क्यों ? पितृभाषा क्यों नहीं ?
- जैसे बिना संकोच के आप माँ से व्यवहार करते हैं वैसे ही आप बिना किसी सोच - विचार के अपने आपको जिस भाषा में व्यक्त कर पाएं वो मातृभाषा होनी चाहिए
- क्या आप ऐसा कर पाते हैं ?
- आज का क्या शेड्यूल है, ऐसा बोलना चलता है और अच्छा लगता है ?

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है
- मातृभाषा क्यों ? पितृभाषा क्यों नहीं ?
- जैसे बिना संकोच के आप माँ से व्यवहार करते हैं वैसे ही आप बिना किसी सोच - विचार के अपने आपको जिस भाषा में व्यक्त कर पाएं वो मातृभाषा होनी चाहिए
- क्या आप ऐसा कर पाते हैं ?
- आज का क्या शेड्यूल है, ऐसा बोलना चलता है और अच्छा लगता है ?
- I am जा रहा हूँ, ऐसे बोलना कैसा लगा ?

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है
- मातृभाषा क्यों ? पितृभाषा क्यों नहीं ?
- जैसे बिना संकोच के आप माँ से व्यवहार करते हैं वैसे ही आप बिना किसी सोच - विचार के अपने आपको जिस भाषा में व्यक्त कर पाएं वो मातृभाषा होनी चाहिए
- क्या आप ऐसा कर पाते हैं ?
- आज का क्या शेड्यूल है, ऐसा बोलना चलता है और अच्छा लगता है ?
- I am जा रहा हूँ, ऐसे बोलना कैसा लगा ?
- You will tell "Your English needs improvement", but in mother tongue its all fine.

भाषा

- भाषा क्या है ?
- **भाषते इति भाषा** - जो बोली जाए वोही भाषा है
- मातृभाषा क्यों ? पितृभाषा क्यों नहीं ?
- जैसे बिना संकोच के आप माँ से व्यवहार करते हैं वैसे ही आप बिना किसी सोच - विचार के अपने आपको जिस भाषा में व्यक्त कर पाएं वो मातृभाषा होनी चाहिए
- क्या आप ऐसा कर पाते हैं ?
- आज का क्या शेड्यूल है, ऐसा बोलना चलता है और अच्छा लगता है ?
- I am जा रहा हूँ, ऐसे बोलना कैसा लगा ?
- You will tell "Your English needs improvement", but in mother tongue its all fine.
- अपनी मातृभाषा के बारे में भी ऐसे सुधार के लिए प्रयास करिये

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**
- सभी भाषाओं की अपनी लिपि हो ऐसा आवश्यक नहीं जैसे मराठी भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । आंग्ल भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**
- सभी भाषाओं की अपनी लिपि हो ऐसा आवश्यक नहीं जैसे मराठी भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । आंग्ल भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है
- बहुत सारी भाषाओं की अपनी लिपि होती हैं जैसे कन्नड़ भाषा की कन्नड़ लिपि ।

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**
- सभी भाषाओं की अपनी लिपि हो ऐसा आवश्यक नहीं जैसे मराठी भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । आंग्ल भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है
- बहुत सारी भाषाओं की अपनी लिपि होती हैं जैसे कन्नड़ भाषा की कन्नड़ लिपि ।
- कुछ भाषाएँ कई लिपियों में लिखी जाती हैं, जैसे संस्कृत, कर्नाटक में संस्कृत कन्नड़ लिपि में भी लिखते हैं, आंध्र में तेलुगु लिपि में भी लिखते हैं

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**
- सभी भाषाओं की अपनी लिपि हो ऐसा आवश्यक नहीं जैसे मराठी भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । आंग्ल भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है
- बहुत सारी भाषाओं की अपनी लिपि होती हैं जैसे कन्नड़ भाषा की कन्नड़ लिपि ।
- कुछ भाषाएँ कई लिपियों में लिखी जाती हैं, जैसे संस्कृत, कर्नाटक में संस्कृत कन्नड़ लिपि में भी लिखते हैं, आंध्र में तेलुगु लिपि में भी लिखते हैं
- ऐसी स्थिति में लिपि भिन्न होने के कारण कभी-कभी आप पढ़ नहीं सकते पर यदि कोई बोले तो समझ सकते हैं

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**
- सभी भाषाओं की अपनी लिपि हो ऐसा आवश्यक नहीं जैसे मराठी भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । आंग्ल भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है
- बहुत सारी भाषाओं की अपनी लिपि होती हैं जैसे कन्नड़ भाषा की कन्नड़ लिपि ।
- कुछ भाषाएँ कई लिपियों में लिखी जाती हैं, जैसे संस्कृत, कर्नाटक में संस्कृत कन्नड़ लिपि में भी लिखते हैं, आंध्र में तेलुगु लिपि में भी लिखते हैं
- ऐसी स्थिति में लिपि भिन्न होने के कारण कभी-कभी आप पढ़ नहीं सकते पर यदि कोई बोले तो समझ सकते हैं
- सभी भाषाओं में कुछ ही ध्वनियाँ होती हैं, उन्हीं का प्रयोग करके भिन्न-भिन्न नामों और क्रियाओं के लिए ध्वनि समूह बनाये जाते हैं

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**
- सभी भाषाओं की अपनी लिपि हो ऐसा आवश्यक नहीं जैसे मराठी भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । आंग्ल भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है
- बहुत सारी भाषाओं की अपनी लिपि होती हैं जैसे कन्नड़ भाषा की कन्नड़ लिपि ।
- कुछ भाषाएँ कई लिपियों में लिखी जाती हैं, जैसे संस्कृत, कर्नाटक में संस्कृत कन्नड़ लिपि में भी लिखते हैं, आंध्र में तेलुगु लिपि में भी लिखते हैं
- ऐसी स्थिति में लिपि भिन्न होने के कारण कभी-कभी आप पढ़ नहीं सकते पर यदि कोई बोले तो समझ सकते हैं
- सभी भाषाओं में कुछ ही ध्वनियाँ होती हैं, उन्हीं का प्रयोग करके भिन्न-भिन्न नामों और क्रियाओं के लिए ध्वनि समूह बनाये जाते हैं
- संस्कृत भाषा में दो तरह के ध्वनि समूह होते हैं, **स्वरः/अच्/अज् और व्यञ्जनम्/हल्**

भाषा के मूल तत्व

- सबसे छोटी सार्थक ध्वनि को वर्ण अथवा अक्षर कहते हैं
- ध्वनि को दर्शाने के लिए जो चिह्न प्रयोग किये जाते हैं वे लिपि चिह्न हैं, जैसे यह **देवनागरी लिपि है**
- सभी भाषाओं की अपनी लिपि हो ऐसा आवश्यक नहीं जैसे मराठी भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । आंग्ल भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है
- बहुत सारी भाषाओं की अपनी लिपि होती हैं जैसे कन्नड़ भाषा की कन्नड़ लिपि ।
- कुछ भाषाएँ कई लिपियों में लिखी जाती हैं, जैसे संस्कृत, कर्नाटक में संस्कृत कन्नड़ लिपि में भी लिखते हैं, आंध्र में तेलुगु लिपि में भी लिखते हैं
- ऐसी स्थिति में लिपि भिन्न होने के कारण कभी-कभी आप पढ़ नहीं सकते पर यदि कोई बोले तो समझ सकते हैं
- सभी भाषाओं में कुछ ही ध्वनियाँ होती हैं, उन्हीं का प्रयोग करके भिन्न-भिन्न नामों और क्रियाओं के लिए ध्वनि समूह बनाये जाते हैं
- संस्कृत भाषा में दो तरह के ध्वनि समूह होते हैं, **स्वरः/अच्/अज् और व्यञ्जनम्/हल्**
- इन सभी वर्णों को एक साथ **वर्णमाला कहते हैं**

अनुक्रमणिका

1. भाषा
2. वर्णाः
3. पदम्
4. उच्चारण
5. वर्गीकरण

स्वराः

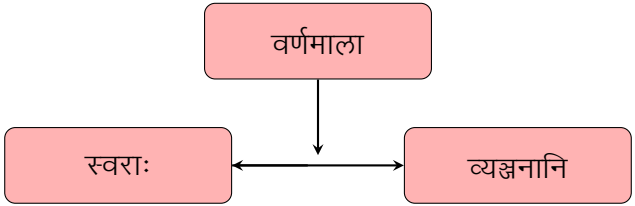

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ए ऐ ओ औ

अं अः

व्यञ्जनानि

	अल्पप्राणः	महाप्राणः	अल्पप्राणः	महाप्राणः	अनुनासिकः
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अन्तस्थाः	य	र	ल	व	
उष्माणाः	श	ष	स	ह	

अनुक्रमणिका

1. भाषा
2. वर्णाः
3. पदम्
4. उच्चारण
5. वर्गीकरण

शब्द / पदम्

- ध्वनियों के सार्थक समूह को संस्कृत में शब्द या पदम् कहते हैं, जैसे "नदी" सार्थक होने के कारण पद है और "टडी" निरर्थक ध्वनि समूह होने के कारण पद नहीं है ।

शब्द / पदम्

- ध्वनियों के सार्थक समूह को संस्कृत में शब्द या पदम् कहते हैं, जैसे "नदी" सार्थक होने के कारण पद है और "टडी" निरर्थक ध्वनि समूह होने के कारण पद नहीं है ।
- आपस में सम्बन्धित शब्दों या पदों का समूह वाक्य होता है । जैसे "राम घर को जा रहा है" वाक्य है और "राम श्याम घर पानी" वाक्य नहीं हैं ।

शब्द / पदम्

- ध्वनियों के सार्थक समूह को संस्कृत में शब्द या पदम् कहते हैं, जैसे "नदी" सार्थक होने के कारण पद है और "टडी" निरर्थक ध्वनि समूह होने के कारण पद नहीं है ।
- आपस में सम्बन्धित शब्दों या पदों का समूह वाक्य होता है । जैसे "राम घर को जा रहा है" वाक्य है और "राम श्याम घर पानी" वाक्य नहीं हैं ।
- अतः वर्णो के सार्थक समूह से पद और सम्बंधित पदों के समूह से वाक्य बनते हैं ।

शब्द / पदम्

- ध्वनियों के सार्थक समूह को संस्कृत में शब्द या पदम् कहते हैं, जैसे "नदी" सार्थक होने के कारण पद है और "टडी" निरर्थक ध्वनि समूह होने के कारण पद नहीं है ।
- आपस में सम्बन्धित शब्दों या पदों का समूह वाक्य होता है । जैसे "राम घर को जा रहा है" वाक्य है और "राम श्याम घर पानी" वाक्य नहीं हैं ।
- अतः वर्णो के सार्थक समूह से पद और सम्बंधित पदों के समूह से वाक्य बनते हैं ।
- संस्कृत में दो प्रकार के पद होते हैं ।

शब्द / पदम्

- ध्वनियों के सार्थक समूह को संस्कृत में शब्द या पदम् कहते हैं, जैसे "नदी" सार्थक होने के कारण पद है और "टडी" निरर्थक ध्वनि समूह होने के कारण पद नहीं है ।
- आपस में सम्बन्धित शब्दों या पदों का समूह वाक्य होता है । जैसे "राम घर को जा रहा है" वाक्य है और "राम श्याम घर पानी" वाक्य नहीं हैं ।
- अतः वर्णो के सार्थक समूह से पद और सम्बंधित पदों के समूह से वाक्य बनते हैं ।
- संस्कृत में दो प्रकार के पद होते हैं ।

शब्द / पदम्

- ध्वनियों के सार्थक समूह को संस्कृत में शब्द या पदम् कहते हैं, जैसे "नदी" सार्थक होने के कारण पद है और "टडी" निरर्थक ध्वनि समूह होने के कारण पद नहीं है ।
- आपस में सम्बन्धित शब्दों या पदों का समूह वाक्य होता है । जैसे "राम घर को जा रहा है" वाक्य है और "राम श्याम घर पानी" वाक्य नहीं हैं ।
- अतः वर्णो के सार्थक समूह से पद और सम्बंधित पदों के समूह से वाक्य बनते हैं ।
- संस्कृत में दो प्रकार के पद होते हैं ।

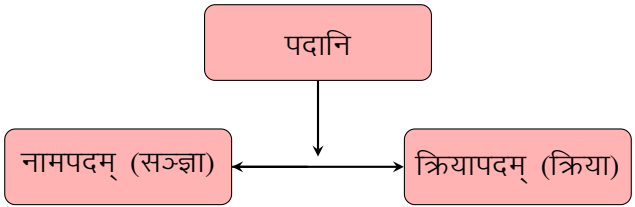

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये
- Tools पर क्लिक करिये फिर Dissect word(s) into letters. पर क्लिक करें

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये
- Tools पर क्लिक करिये फिर Dissect word(s) into letters. पर क्लिक करें
- यहाँ Enter word text वाली जगह पर अपना वाक्य लिख कर Submit करिये

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये
- Tools पर क्लिक करिये फिर Dissect word(s) into letters. पर क्लिक करें
- यहाँ Enter word text वाली जगह पर अपना वाक्य लिख कर Submit करिये

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये
- Tools पर क्लिक करिये फिर Dissect word(s) into letters. पर क्लिक करें
- यहाँ Enter word text वाली जगह पर अपना वाक्य लिख कर Submit करिये

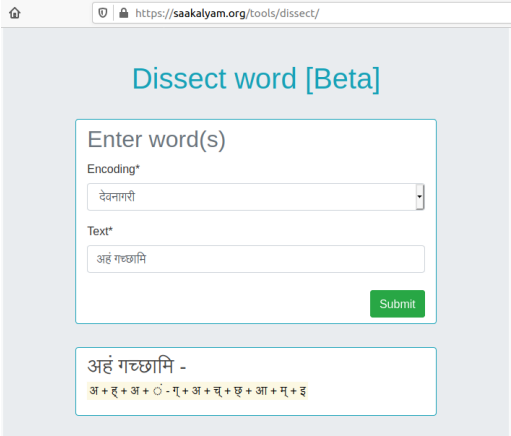

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये
- Tools पर क्लिक करिये फिर Dissect word(s) into letters. पर क्लिक करें
- यहाँ Enter word text वाली जगह पर अपना वाक्य लिख कर Submit करिये

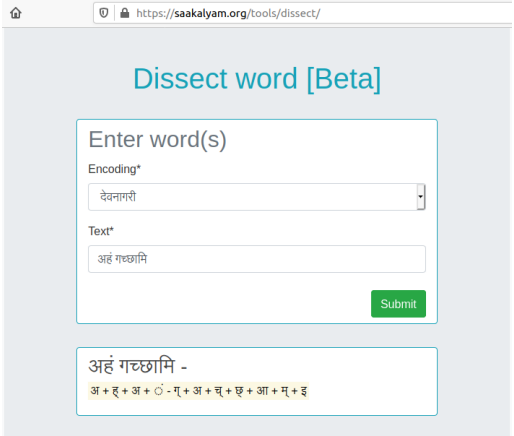

- स्वर अपने आप उच्चारित किए जा सकते हैं

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये
- Tools पर क्लिक करिये फिर Dissect word(s) into letters. पर क्लिक करें
- यहाँ Enter word text वाली जगह पर अपना वाक्य लिख कर Submit करिये

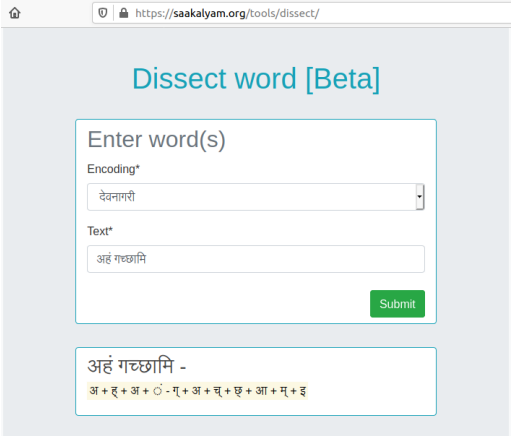

- स्वर अपने आप उच्चारित किए जा सकते हैं
- व्यञ्जनों के उच्चारण के लिए स्वरों का सहयोग चाहिए

शब्द / पदम्

- "मैं जा रहा हूँ" को संस्कृत में बोलेंगे "अहं गच्छामि ।", आइये देखते हैं की ये वाक्य कैसे बना है -
- इसके लिए आप हमारी वेबसाइट saakalyam पर अपना खाता बनाइये
- Tools पर क्लिक करिये फिर Dissect word(s) into letters. पर क्लिक करें
- यहाँ Enter word text वाली जगह पर अपना वाक्य लिख कर Submit करिये

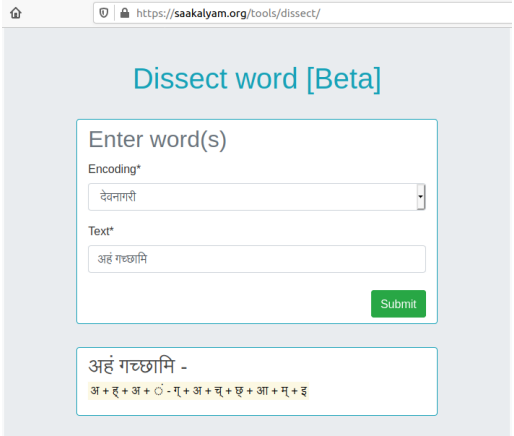

- स्वर अपने आप उच्चारित किए जा सकते हैं
- व्यञ्जनों के उच्चारण के लिए स्वरों का सहयोग चाहिए
- अनुस्वार और विसर्ग स्वरों पर ही लगते हैं

अनुक्रमणिका

1. भाषा
2. वर्णाः
3. पदम्
4. उच्चारण
5. वर्गीकरण

संस्कृत उच्चारण और हिन्दी से अन्तर

- आइये saakalyam पर कुछ शब्दों के अवयव और संस्कृत तथा हिन्दी में उनके उच्चारण देखते हैं

संस्कृत उच्चारण और हिन्दी से अन्तर

- आइये saakalyam पर कुछ शब्दों के अवयव और संस्कृत तथा हिन्दी में उनके उच्चारण देखते हैं
- क्षत्रियः (क् + ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ + ◌ः) - कुछ लोग हिन्दी में छत्रिय पढ़ते हैं

संस्कृत उच्चारण और हिन्दी से अन्तर

- आइये saakalyam पर कुछ शब्दों के अवयव और संस्कृत तथा हिन्दी में उनके उच्चारण देखते हैं
- क्षत्रियः (क् + ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ + ◌ः) - कुछ लोग हिन्दी में छत्रिय पढ़ते हैं
- त्रिवेणी (त् + र् + इ + व् + ए + ण् + ई)

संस्कृत उच्चारण और हिन्दी से अन्तर

- आइये saakalyam पर कुछ शब्दों के अवयव और संस्कृत तथा हिन्दी में उनके उच्चारण देखते हैं
- क्षत्रियः (क् + ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ + ◌ः) - कुछ लोग हिन्दी में छत्रिय पढ़ते हैं
- त्रिवेणी (त् + र् + इ + व् + ए + ण् + ई)
- ज्ञानगङ्गा (ज् + ञ् + आ + न् + अ + ग् + अ + ङ् + ग् + आ) - कुछ लोग हिन्दी में ग्यान पढ़ते हैं

संस्कृत उच्चारण और हिन्दी से अन्तर

- आइये saakalyam पर कुछ शब्दों के अवयव और संस्कृत तथा हिन्दी में उनके उच्चारण देखते हैं
- क्षत्रियः (क् + ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ + ◌ः) - कुछ लोग हिन्दी में छत्रिय पढ़ते हैं
- त्रिवेणी (त् + र् + इ + व् + ए + ण् + ई)
- ज्ञानगङ्गा (ज् + ञ् + आ + न् + अ + ग् + अ + ङ् + ग् + आ) - कुछ लोग हिन्दी में ग्यान पढ़ते हैं
- जनता (ज् + अ + न् + अ + त् + आ)- कुछ लोग हिन्दी में जन्ता पढ़ते हैं

संस्कृत उच्चारण और हिन्दी से अन्तर

- आइये saakalyam पर कुछ शब्दों के अवयव और संस्कृत तथा हिन्दी में उनके उच्चारण देखते हैं
- क्षत्रियः (क् + ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ + ◌ः) - कुछ लोग हिन्दी में छत्रिय पढ़ते हैं
- त्रिवेणी (त् + र् + इ + व् + ए + ण् + ई)
- ज्ञानगङ्गा (ज् + ञ् + आ + न् + अ + ग् + अ + ङ् + ग् + आ) - कुछ लोग हिन्दी में ग्यान पढ़ते हैं
- जनता (ज् + अ + न् + अ + त् + आ)- कुछ लोग हिन्दी में जन्ता पढ़ते हैं
- अन्त में हमें यह याद रखना है की जैसे लिखा है वैसे ही पढ़ना है

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**
- संस्कृत में वर्णों को "कार" नाम से भी सम्बोधित किया जाता है जैसे "अ" को अ वर्ण या अकार भी कहते हैं ।

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**
- संस्कृत में वर्णों को "कार" नाम से भी सम्बोधित किया जाता है जैसे "अ" को अ वर्ण या अकार भी कहते हैं ।
- ऐसे ही "क" को ककार "ख" को खकार भी कहते हैं

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**
- संस्कृत में वर्णों को "कार" नाम से भी सम्बोधित किया जाता है जैसे "अ" को अ वर्ण या अकार भी कहते हैं ।
- ऐसे ही "क" को ककार "ख" को खकार भी कहते हैं
- शब्द में पहले वर्ण को आदि वर्ण और अन्तिम वर्ण को अन्त कहते हैं ।

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**
- संस्कृत में वर्णों को "कार" नाम से भी सम्बोधित किया जाता है जैसे "अ" को अ वर्ण या अकार भी कहते हैं ।
- ऐसे ही "क" को ककार "ख" को खकार भी कहते हैं
- शब्द में पहले वर्ण को आदि वर्ण और अन्तिम वर्ण को अन्त कहते हैं ।
- जो शब्द जिस वर्ण से समाप्त हो रहा है हम उसे वो "कारान्त" कहते हैं ।

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**
- संस्कृत में वर्णों को "कार" नाम से भी सम्बोधित किया जाता है जैसे "अ" को अ वर्ण या अकार भी कहते हैं ।
- ऐसे ही "क" को ककार "ख" को खकार भी कहते हैं
- शब्द में पहले वर्ण को आदि वर्ण और अन्तिम वर्ण को अन्त कहते हैं ।
- जो शब्द जिस वर्ण से समाप्त हो रहा है हम उसे वो "कारान्त" कहते हैं ।
- जैसे "राम" (र् + आ + म् + अ) अकारान्त शब्द है, अ वर्ण से समाप्त होने वाला शब्द ।

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**
- संस्कृत में वर्णों को "कार" नाम से भी सम्बोधित किया जाता है जैसे "अ" को अ वर्ण या अकार भी कहते हैं ।
- ऐसे ही "क" को ककार "ख" को खकार भी कहते हैं
- शब्द में पहले वर्ण को आदि वर्ण और अन्तिम वर्ण को अन्त कहते हैं ।
- जो शब्द जिस वर्ण से समाप्त हो रहा है हम उसे वो "कारान्त" कहते हैं ।
- जैसे "राम" (र् + आ + म् + अ) अकारान्त शब्द है, अ वर्ण से समाप्त होने वाला शब्द ।
- "सीता" - (स् + ई + त् + आ) शब्द आकारान्त है

वर्णों से शब्द और शब्द से वर्ण

- कई वर्ण मिलकर शब्द बनाते हैं जैसे (चषकः) **च् + अ + ष् + अ + क् + अ + ः**
- संस्कृत में वर्णों को "कार" नाम से भी सम्बोधित किया जाता है जैसे "अ" को अ वर्ण या अकार भी कहते हैं ।
- ऐसे ही "क" को ककार "ख" को खकार भी कहते हैं
- शब्द में पहले वर्ण को आदि वर्ण और अन्तिम वर्ण को अन्त कहते हैं ।
- जो शब्द जिस वर्ण से समाप्त हो रहा है हम उसे वो "कारान्त" कहते हैं ।
- जैसे "राम" (र् + आ + म् + अ) अकारान्त शब्द है, अ वर्ण से समाप्त होने वाला शब्द ।
- "सीता" - (स् + ई + त् + आ) शब्द आकारान्त है
- जैसे आङ्ग्ल शब्दकोश (डिक्शनरी) में शब्द पहले वर्ण से रखे जाते हैं वैसे संस्कृत में शब्दों के मूल के अन्तिम वर्ण के अनुसार शब्द वर्गीकृत किये जाते हैं

अनुक्रमणिका

1. भाषा
2. वर्णाः
3. पदम्
4. उच्चारण
5. वर्गीकरण

नामपदों का वर्गीकरण

- अब चूँकि संस्कृत में दो तरह के वर्ण होते हैं इस लिए दो तरह के अन्त वाले शब्द होते हैं स्वरान्त (अजन्त्) और व्यञ्जनान्त (हल्)

नामपदों का वर्गीकरण

- अब चूँकि संस्कृत में दो तरह के वर्ण होते हैं इस लिए दो तरह के अन्त वाले शब्द होते हैं स्वरान्त (अजन्त्) और व्यञ्जनान्त (हल्)
- अब अजन्तों में अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त और हलन्तों में ककारान्त, हकारान्त इत्यादि

नामपदों का वर्गीकरण

- अब चूँकि संस्कृत में दो तरह के वर्ण होते हैं इस लिए दो तरह के अन्त वाले शब्द होते हैं स्वरान्त (अजन्त्) और व्यञ्जनान्त (हल्)
- अब अजन्तों में अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त और हलन्तों में ककारान्त, हकारान्त इत्यादि
- सारे एक वर्ण से अन्त होने वाले शब्द एक ही तरह के लगेंगें और सारे व्याकरण के नियम इनपर एक समान लगते हैं । एक शब्द सीख कर आप पूरा शब्द समूह सीख सकते हैं

नामपदों का वर्गीकरण

- अब चूँकि संस्कृत में दो तरह के वर्ण होते हैं इस लिए दो तरह के अन्त वाले शब्द होते हैं स्वरान्त (अजन्त्) और व्यञ्जनान्त (हल्)
- अब अजन्तों में अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त और हलन्तों में ककारान्त, हकारान्त इत्यादि
- सारे एक वर्ण से अन्त होने वाले शब्द एक ही तरह के लगेंगें और सारे व्याकरण के नियम इनपर एक समान लगते हैं । एक शब्द सीख कर आप पूरा शब्द समूह सीख सकते हैं
- तो अब संस्कृत में जब आप कोई नामपद देखिये तो सोचिये की इसका अन्त वर्ण क्या है ?

वचन - Numbers

- अधिकतर आधुनिक भाषाओं में दो ही वचन होते हैं, जैसे एकवचन और बहुवचन ।

वचन - Numbers

- अधिकतर आधुनिक भाषाओं में दो ही वचन होते हैं, जैसे एकवचन और बहुवचन ।
- संस्कृत में तीन वचन होते हैं अकेले के लिए एकवचन, जोड़े के लिए द्विवचन और दो से अधिक के लिए बहुवचन ।

वचन - Numbers

- अधिकतर आधुनिक भाषाओं में दो ही वचन होते हैं, जैसे एकवचन और बहुवचन ।
- संस्कृत में तीन वचन होते हैं अकेले के लिए एकवचन, जोड़े के लिए द्विवचन और दो से अधिक के लिए बहुवचन ।
- जैसे एक लड़का - बालकः, दो लड़के - बालकौ और दो से अधिक लड़के बालकाः कहे जाते हैं

वचन - Numbers

- अधिकतर आधुनिक भाषाओं में दो ही वचन होते हैं, जैसे एकवचन और बहुवचन ।
- संस्कृत में तीन वचन होते हैं अकेले के लिए एकवचन, जोड़े के लिए द्विवचन और दो से अधिक के लिए बहुवचन ।
- जैसे एक लड़का - बालकः, दो लड़के - बालकौ और दो से अधिक लड़के बालकाः कहे जाते हैं
- दो आँखों, दो कानों, दो हाथों के लिए संस्कृत में बहुवचन नहीं प्रयोग किया जाता ।

क्रियापदों का वर्गीकरण

- क्रिया - वाक्य में होने वाला कार्य, जैसे राम जा रहा है तो यहाँ क्रिया या कार्य जाना है

क्रियापदों का वर्गीकरण

- क्रिया - वाक्य में होने वाला कार्य, जैसे राम जा रहा है तो यहाँ क्रिया या कार्य जाना है
- कार्य या क्रिया जो करता है उसे पुरुष कहते हैं, जैसे -

क्रियापदों का वर्गीकरण

- क्रिया - वाक्य में होने वाला कार्य, जैसे राम जा रहा है तो यहाँ क्रिया या कार्य जाना है
- कार्य या क्रिया जो करता है उसे पुरुष कहते हैं, जैसे -
  - मैं करुं तो उत्तम पुरुष क्रिया कर रहा है

क्रियापदों का वर्गीकरण

- क्रिया - वाक्य में होने वाला कार्य, जैसे राम जा रहा है तो यहाँ क्रिया या कार्य जाना है
- कार्य या क्रिया जो करता है उसे पुरुष कहते हैं, जैसे -
  - मैं करुं तो उत्तम पुरुष क्रिया कर रहा है
  - तुम करो तो मध्यम पुरुष क्रिया कर रहा है

क्रियापदों का वर्गीकरण

- क्रिया - वाक्य में होने वाला कार्य, जैसे राम जा रहा है तो यहाँ क्रिया या कार्य जाना है
- कार्य या क्रिया जो करता है उसे पुरुष कहते हैं, जैसे -
  - मैं करुं तो उत्तम पुरुष क्रिया कर रहा है
  - तुम करो तो मध्यम पुरुष क्रिया कर रहा है
  - और यदि न मैं कर रहा हूँ न तुम तो जो है वो प्रथम पुरुष है

क्रियापदों का वर्गीकरण

- क्रिया - वाक्य में होने वाला कार्य, जैसे राम जा रहा है तो यहाँ क्रिया या कार्य जाना है
- कार्य या क्रिया जो करता है उसे पुरुष कहते हैं, जैसे -
  - मैं करुं तो उत्तम पुरुष क्रिया कर रहा है
  - तुम करो तो मध्यम पुरुष क्रिया कर रहा है
  - और यदि न मैं कर रहा हूँ न तुम तो जो है वो प्रथम पुरुष है
- क्रिया / कार्य कब हो रहा है उसे काल कहते हैं

क्रियापदों का वर्गीकरण

- क्रिया - वाक्य में होने वाला कार्य, जैसे राम जा रहा है तो यहाँ क्रिया या कार्य जाना है
- कार्य या क्रिया जो करता है उसे पुरुष कहते हैं, जैसे -
  - मैं करुं तो उत्तम पुरुष क्रिया कर रहा है
  - तुम करो तो मध्यम पुरुष क्रिया कर रहा है
  - और यदि न मैं कर रहा हूँ न तुम तो जो है वो प्रथम पुरुष है
- क्रिया / कार्य कब हो रहा है उसे काल कहते हैं
- कितने लोग मिलकर कर रहे हैं उसे वचन कहेंगे

अगली कक्षा

- शब्दपरिचयः - प्रथमः भागः

अगली कक्षा

- शब्दपरिचयः - प्रथमः भागः

अगली कक्षा

- शब्दपरिचयः - प्रथमः भागः

धन्यवादः